INTERNATIONAL INDIAN SCHOOL, DAMMAM

Summative Assessment -1 (2013-2014)

Subject : HINDI Class : IX

Time : 3 hours Maximum Marks : 90

.....

SET - B

निर्देश : *1. इस प्रश्न–पत्र के चार खंड हैं – क , ख , ग , घ ।*

2. चारों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है ।

3. यथासंभव प्रश्नों के उपभागों के उत्तर क्रमशः लिखिए ।

खण्ड –'क'

1. अपठित पद्यांश – (1×8)

संकटों से वीर घबराते नहीं,
आपदाएँ देख छिप जाते नहीं।
लग गए जिस काम में, पूरा किया,
काम करके व्यर्थ पछताते नहीं।

हो सरल अथवा कठिन हो रास्ता,
कर्मवीरों को न इससे वास्ता।
बढ़ चले तो अंत तक ही बढ़ चले,
कठिनतर गिरिश्रृंग ऊपर चढ़ चले।

कठिन पथ को देख मुसकाते सदा।
संकटों के बीच वे गाते सदा।
है असंभव कुछ नहीं उनके लिए,
सरल–संभव कर दिखाते वे सदा।

यह 'असंभव' कायरों का शब्द है,
कहा था नेपोलियन ने एक दिन।
सच बताऊँ ज़िंदगी ही व्यर्थ है,
दर्प बिन, उत्साह बिन, औ' शक्ति बिन।

उपर्युक्त पद्यांश पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर में से सही विकल्प चुनिए:

क. आपदाएँ देख कौन नहीं छिपते ?

i- कायर ii- निडर

iii- आलसी iv- वीर

ख. कठिनतर किसकी चढ़ाई को कहा गया है ?

i- श्रृंगों ii- घाटियों

iii- मैदानों iv- गिरिश्रृंग

ग. काम करके व्यर्थ ..... नहीं। सही शब्द चुनकर लिखिए –

i- रोते ii- सोते

iii- पछताते iv- गाते

घ. असंभव को कर्मवीर किस रूप में बदल देते हैं ?

i- सरल–असंभव ii- सरल–संभव

iii- कठिन–से–कठिन iv- कठोर

ङ 'असंभव' कायरों का शब्द – ऐसा किसने कहा था ?

i- मुसोलिनी ii- सुकरात

iii- कैनेडी iv- नेपोलियन

च. प्रत्यय अलग कीजिए : आपदाएँ

i- आएँ ii- अएँ

iii- एँ iv- दाएँ

छ. ' दर्प ' शब्द का पर्यायवाची है –

i- सर्प ii- अहंकार

iii- उत्साह iv- फ़र्क

ज. उपर्युक्त पद्यांश का उपयुक्त शीर्षक है –

i- कर्मवीर ii- असंभव कर्म

iii- आलसी iv- बहादुरी

2. अपठित गद्यांश – (1×12)

भारत के गाँव भारत के प्राचीन सभ्यता और संस्कृति के प्रतीक है। गाँव भारत वर्ष की आत्मा है और संपूर्ण भारत गाँव पर निर्भर है। आत्मा के स्वस्थ होने पर ही संपूर्ण शरीर में नव चेतना और नवशक्ति का संचार होता है। आज भी भारत की साठ प्रतिशत जनसंख्या गाँवों में ही बसती है। गांधी जी कहा करते थे "भारत का हृदय गाँवों में बसता है, गाँवों की उन्नति से ही भारत की उन्नति हो सकती है। गाँवों में ही सेवा और परिश्रम के अवतार किसान बसते हैं।"अतः भारत की सच्ची झांकी देखनी हो तो गाँवों में चले जाइये। गाँवों में ही सेवा की सच्ची झांकी देखने को मिलती है। भारत की उन्नति नगरों की उन्नति पर नहीं अपितु गाँवों की उन्नति पर निर्भर है। अतः ग्रामोन्नति का कार्य देशोन्नति का कार्य है।

महाकवि सुमित्रानंदन पंत ने भारत ग्राम वासिनी नामक कविता में ठीक ही कहा है कि भारत वर्ष का वास्तविक स्वरुप गाँवों में है। स्वतंत्रता से पूर्व गाँवों और ग्रामीणों की दशा बड़ी दयनीय थी। निर्धनता, बेरोज़गारी और भुखमरी दिन–रात धधकती रहती थी । विश्व के किस अंग ने क्या अंगड़ाई ली, इसके क्या सुपरिणाम और दुष्परिणाम हुए , इन बातों से उनका कोई संबंध नहीं था । जीवनयापन की स्वस्थ प्रणाली से गाँव वाले अपरिचित थे। उनके जीवन में संघर्ष करने के लिए दरिद्रता, अस्वस्थता, अज्ञानता ही बहुत थे। प्रतिवर्ष हजारों अकाल मृत्यु होती थी। महाभारत से रक्षा के छोटे छोटे नियम की उनको समझ नहीं थी । उनके मन में कोई आगे बढ़ने की इच्छा नहीं होती थी। अशिक्षा के साथ–साथ ग्रामवासियों की आर्थिक स्थिति की समस्या भी प्रबल थी। अन्याय,अंधविश्वास और अशिक्षा का पूर्ण साम्राज्य था। इन सब समस्याओं के साथ साथ वे संपूर्ण जीवन कर्ज़ से दबे रहते थे। कृषि की सारी उपज सेठ साहूकार ले जाते थे। कृषि की दशा भी खराब थी। भारत का किसान प्रकृति के सहारे रहता था।वह हल और बैल से खेती करता था। यही नहीं गाँवों में यातायात के साधनों की कमी थी। ग्रामवासियों को पक्की सड़क पर पहुँचने के लिए पंद्रह – पंद्रह किलोमीटर तक पैदल चलना पड़ता था। अधिकांश गाँव यातायात के साधनों के अभाव में शहरों से बिल्कुल कटे हुए थे जिससे उनका जीवन आदिवासियों के जीवन के समान बन गया था। यह सत्य है कि ब्रिटिश शासनकाल में गाँवों की उपेक्षा की गई। उनके विकास की ओर बिल्कुल ध्यान नहीं दिया गया, किंतु स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद से हमारी सरकार गाँवों की प्रगति के लिए निरंतर प्रयत्नशील है। वहाँ की आर्थिक दशा को सुधारने के लिए कृषि की प्रगति की गई है। आज स्थिति यह है कि हमारे देश में खाद्यानों की कोई कमी नहीं है बल्कि हम खाद्यानों का निर्यात भी कर रहे हैं। जो किसान हल और बैल से खेती करता था वह अब खेती के लिए नए–नए साधनों का प्रयोग करता है। हरित क्रांति इसका जीता जागता उदाहरण है।

सरकार ने शिक्षा के क्षेत्र में गाँवों की और विशेष ध्यान दिया है । अब प्रायः सभी गाँवों में माध्यमिक स्कूल और कस्बों में डिग्री कॉलेज खुल गए हैं। इन कॉलेजों को शहरों के विश्व–विद्यालयों से जोड़ दिया गया है जिससे छात्र स्वतः ही शहरी शिक्षा पा लेते हैं। जिन ग्राम वासियों की सात पीढ़ी निरक्षर थी उनके बच्चे विदेशों में शिक्षाध्यापन कर रहे हैं। प्रौढ़ शिक्षा की ओर भी सरकार का विशेष ध्यान है। ग्रामीणों का प्रमुख व्यवसाय खेती है। इसलिए देश के विभिन्न भागों में कृषि विश्वविद्यालयों को खोला गया है। इस विश्व – विद्यालयों में पूर्वी और पश्चिमी दोनों प्रकार की शिक्षा दी जाती है। आकाशवाणी तथा दूरदर्शन ग्रामीण भाइयों के लिए विशेष कार्यक्रम प्रस्तुत करते हैं। दूरदर्शन में इनके लिए विशेष चैनल की स्थापना की है। जिस पर कृषि संबंधि बातें बताई जाती हैं तथा ग्रामोत्थान विषय का विचार विमर्श प्रस्तुत किया जाता है।

भारत एक विशाल देश है । सहसा ही इतनी विशाल जनता के जीवन को समृद्ध बनाना कोई सुगम कार्य नहीं है। सरकार के पास कोई जादू की छड़ी नहीं है जिसे घुमाकर एकदम जनजीवन को ऊँचा उठा दे। यह काम शनै–शनै ही होगा। भारत सरकार ग्रामीणों के जीवन की उन्नति करने के लिए निरन्तर प्रयत्न शील है। विश्वास है कि निकट भविष्य में भारतवर्ष अपने पुरातन खोए हुए गौरव को पुनः प्राप्त करके उन्नति के शिखर पर आसीन हो जाएगा। स्वतंत्रता प्राप्ति के उपरांत गाँवों ने आशातीत उन्नति की है।

उपर्युक्त गद्यांश पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर में से सही विकल्प चुनिए:

क. उपर्युक्त गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक है –

i- भारत के गाँव
ii- भारत के किसान
iii- भारतवर्ष का भविष्य
iv- समृद्ध देश

ख. भारत के गाँवों के बारे में क्या बताया गया है ?

i- गाँवों और ग्रामीणों की दशा बड़ी बुरी है
ii- भारत के गाँव विशाल हैं
iii- वे भारत वर्ष की आत्मा हैं और संपूर्ण भारत उस पर निर्भर है
iv- गाँवों की उन्नति से ही भारत की उन्नति हो सकती है

ग. स्वतंत्रता पूर्व भारत के गाँवों को क्या दशा थी ?

i- दयनीय थी
ii- सब दुखी थे
iii- अच्छी थी
iv- वर्तमान समय से अच्छी थी

घ. भारत की सच्ची झांकी कहाँ देखी जा सकती है ?

i- शहरों में
ii- गाँवों में ही
iii- बस्तियों में
iv- गाँव के घरों में

च. ब्रिटिश काल में गाँवों के साथ क्या व्यवहार किया गया ?

i- उनके विकास की ओर ध्यान दिया गया
ii- उनकी निरंतर चिंता की गई
iii- उनके विकास की ओर बिल्कुल ध्यान नहीं दिया गया
iv- दुर्व्यवहार किया गया

छ. हरित क्रांति किस बात का जीता जागता उदाहरण है ?

i- किसान नए–नए साधनों का प्रयोग कर रहा है
ii- किसान पुराने साधनों को छोड़ना चाहता
iii- किसान हल और बैल से खेती कर रहा है
iv- किसान पुराने साधनों को नहीं छोड़ना चाहता

ज. कृषि क्षेत्र में देश में क्या कार्य किया जा रहा है ?

i- कृषि शिक्षा पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है
ii- जनता के जीवन को समृद्ध बनाना
iii- नवीन परिवर्तन लाए जा रहे हैं
iv- गाँव के रहन–सहन में परिवर्तन

ट. भारत के गाँवों के प्रगति का कार्य किस गति से होगा ?

i- जादुई छड़ी घुमाने से
ii- शनै–शनै
iii- तेज़ी से
iv- बहुत धीमी गति से

ठ. प्रत्यय अलग कीजिए : वैज्ञानिक , स्वतंत्रता

i- इक , आ
ii- ईक , ता
iii- इक , ता
iv- निक , आ

ड. सही संधि विच्छेद बताइए – ग्रामोत्थान , शिक्षाध्यापन

i- ग्राम + ओत्थान , शिक्षाध्य + अपन
ii- ग्राम +उत्थान , शिक्षा + अध्यापन
iii- ग्रामो + उत्थान , शिक्षा + यापन
iv- ग्राम + उत्थान , शिक्षा + अपन

त. उपसर्ग अलग कीजिए – स्वतंत्र , संपूर्ण

i- स्व , सम्
ii- तंत्र , सम्
iii- स्व , स
iv- सु , पूर्ण

थ. 'उन्नति' शब्द का विलोम है –

i- प्रगति
ii- तरक्की
iii- अवनति
iv- विगति

खण्ड –'ख'

3. (क) निम्नलिखित शब्दों का वर्ण–विच्छेद कीजिए – 3
कृतार्थ , विभिन्न , उपलब्धि

(ख) निम्नलिखित शब्दों को उचित स्थान पर अनुस्वार लगाइए – 1
खड , लेखको

(ग) निम्नलिखित शब्दों में उचित स्थान पर अनुनासिक लगाइए – 1
ख़ूख़ार , घटाए

(ङ) निम्नलिखित शब्दों में उपसर्ग और मूल शब्द अलग कीजिए – 2
भरपेट , ख़ुशबू

(च) निम्नलिखित प्रत्ययों की सहायता से दो–दो शब्द बनाइए – 1
ई , त्व

4. (क) निम्नलिखित शब्दों में संधि–विच्छेद कीजिए – 2
वधूत्सव , देवर्षि

(ख) निम्नलिखित शब्दों में संधि कीजिए – 2
परम + औज , पितृ + अनुमति

(ग) निम्नलिखित वाक्यों में उचित विराम चिह्न लगाइए – 3

i. आहा हलवा खाकर मज़ा आ गया

ii. क्या वह आज नहीं आया

iii. बूढ़ा धीरे धीरे चलता है

खण्ड –'ग'

5. निम्नलिखित काव्यांशों को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :– (1×5)

ऐसी लाल तुझ बिनु कउनु करै।
गरीब निवाजु गुसईआ मेरा माथै छत्रु धरै ।।
जाकी छोति जगत कउ लागै ता पर तुहीं ढरै।

नीचहु ऊच करै मेरा गोबिंदु काहू ते न डरै।।
नामदेव कबीरु तिलोचनु सधना सैनु तरै।
कहि रविदासु सुनहु रे संतहु हरिजीउ ते सभै सरै।।

क. उपर्युक्त काव्यांश के रचयिता हैं –

i- नामदेव
ii- कबीर
iii- रहीम
iv- रैदास

ख. 'लाल' शब्द किसके लिए प्रयुक्त हुआ है ?

i- ईश्वर के लिए
ii- पुत्र के लिए
iii- संसार के लिए
iv- रंग के लिए

ग. ईश्वर अपनी कृपा किस पर बरसाता है –

i- धनवानों पर
ii- निम्न जाति के लोगों पर
iii- उच्च जाति के लोगों पर
iv- सभी लोगों पर

घ. काव्यांश में ईश्वर की ये विशेषताएँ बताई गई हैं –

i- वह निडर और कृपालु है
ii- वह अंतर्यामी है
iii- वह सर्वशक्तिमान है
iv- वह सर्वव्यापी है

ङ काव्यांश में समाज की किस समस्या का चित्रण है –

i- अस्पृश्यता
ii- अन्याय व शोषण
iii- ग़रीबी
iv- भुखमरी

अथवा

दुनिया में बादशाह है सो है वह भी आदमी
और मुफ़लिस–ओ–गदा है सो है वो भी आदमी
ज़रदार बेनवा है सो है वो भी आदमी
निअमत जो खा रहा है सो है वो भी आदमी
टुकड़े चबा रहा है सो है वो भी आदमी

क. उपर्युक्त कविता के कवि हैं –

i- अज़ीर अकबराबादी
ii- नज़र अकबराबादी
iii- नज़ीर अकबराबादी
iv- नज़ीर सिकंदराबादी

ख. ' ज़रदार ' का अर्थ है –

i- ज़री का कार्य करने वाला
ii- मालदार
iii- निर्धन
iv- कमज़ोर

ग. ' बेनवा ' किसे कहा गया है ?

i- वज़ीर को
ii- कमज़ोर को
iii- मंत्री को
iv- कुरान पढ़ने वाले को

घ. ' मुफ़लिस–ओ–गदा ' किसे कहा गया है ?

i- गरीब, दीन–हीन को
ii- कुरान का अर्थ बताने वाले को
iii- स्वादिष्ट भोजन खाने वाले को
iv- दूसरों पर शासन करने वाले को

ङ ' बादशाह का पर्यायवाची नहीं है –

i- नृप
ii- सम्राट
iii- नरेश
iv- सुरेश

6. निम्नालिखित प्रश्नों में से किंहीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लिखिए :– (2×2.5=5)

क. एवरेस्ट पर चढ़ने के लिए कुल कितने कैंप बनाए गए ? उनका वर्णन कीजिए।

ख. लेखक ने बुढ़िया के दुःख का अंदाज़ा कैसे लगाया ?

ग. कौन–सा आघात अप्रत्याशित था और उसका लेखक पर क्या प्रभाव पड़ा ?

7. 'हीरा वही घन चोट न टूटे'– का संदर्भ ' धूल ' पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए। 5

अथवा

आशय स्पष्ट कीजिए – 'शोक करने, गम मनाने के लिए भी सहूलियत चाहिए और... दुःखी होने का भी एक अधिकार होता है।'

8. निम्नलिखित में से किसी **एक** का उत्तर लिखिए :– 5

क. रैदास के पदों का केंद्रीय भाव अपने शब्दों में लिखिए।

ख. 'आदमीनामा' कविता का प्रतिपाद्य लिखिए।

9. निम्नलिखित गद्यांशों को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :– 5

वह तुरंत ही चढ़ाई शुरू करना चाहता था... और उसने मुझसे पूछा, क्या मैं उसके साथ जाना चाहूँगी ? एक ही दिन में साउथ कोल से चोटी तक जाना और वापस आना बहुत कठिन और श्रमसाध्य होगा ! इसके अलावा यदि अंगदोरजी के पैर ठंडे पड़ गए तो उसके लौटकर आने का भी जोखिम था। मुझे फिर भी अंगदोरजी पर विश्वास था और साथ–साथ मैं आरोहण की क्षमता और कर्मठता के बारे में भी आश्वस्त थी। अन्य कोई भी व्यक्ति इस समय साथ चलने के लिए तैयार नहीं था।

क. लेखिका के साथ कौन चढ़ाई शुरू करना चाहता था ? 1

ख. लेखिका को क्या कठिन लगा व क्यों ? 2

ग. लेखिका जाने के लिए क्यों तैयार हो गई ? 2

अथवा

यह साधारण धूल नहीं है, वरन् तेल और मट्ठे से सिझाई हुई वह मिट्टी है, जिसे देवता पर चढ़ाया जाता है। संसार में ऐसा सुख दुर्लभ है। पसीने से तर बदन पर मिटट्ी ऐसे फिसलती है, जैसे आदमी कुआँ खोदकर निकला हो। उसकी माँसपेशियाँ फूल उठती हैं, आराम से वह हरा होता है, अखाड़े में निर्द्वंद्व चारों खाने चित्त लेटकर अपने को विश्वविजयी लगाता है। मिट्टी उसके शरीर को बनाती है क्योंकि शरीर भी तो मिट्टी का ही बना हुआ है।

क. यहाँ किस मिट्टी की बात की गई है ? उसकी क्या विशेषता है ? 2

ख. मिट्टी किसके शरीर को और कैसे बनाती है ? 1

ग. 'शरीर भी तो मिट्टी का ही बना हुआ है' – आशय स्पष्ट कीजिए । 2

10. सोनजुही की लता के नीचे बनी गिल्लू की समाधि से लेखिका के मन में किस विश्वास का जन्म होता है? 5

अथवा

कल्लू कुम्हार का नाम उनाकोटी से किस प्रकार जुड़ गया ? अपने शब्दों में विस्तार से लिखें।

खण्ड 'घ'

11. सब्जी विक्रेता और गृहणी के मध्य लगभग 50 शब्दों में संवाद लिखिए । 5

12. निम्नलिखित चित्र का वर्णन 20-30 शब्दों में कीजिए :– 5

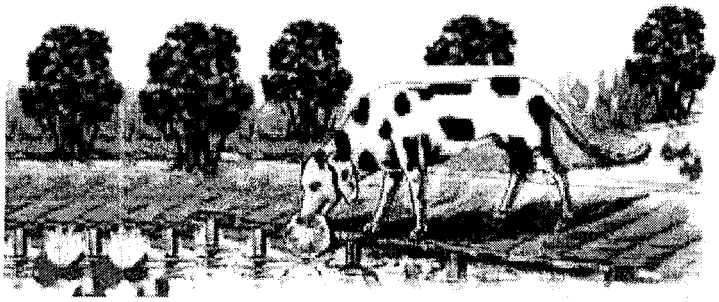

13. कपड़े धोने के साबुन के लिए एक आकर्षक विज्ञापन तैयार कीजिए । 5

14. अपने पिताजी पत्र लिखकर छात्रावास शुल्क हेतु पैसे मँगाइए। 5

अथवा

अपनी बहन को सत्संगति का महत्त्व बताते हुए पत्र लिखिए ।

15. निम्नलिखित संकेत बिंदुओं के आधार पर किसी **एक** विषय पर 80 शब्दों का एक अनुच्छेद लिखिए– 5

क. विज्ञापन और हमारा जीवन

- विज्ञापन का उद्देश्य
- निर्णय को प्रभावित करने वाले विज्ञापनों की भूमिका
- निष्कर्ष

ख. स्वाध्याय

- स्वाध्याय का अर्थ व आवश्यकता
- अपनी क्षमताओं की पहचान
- प्रगति का मार्ग
- उपसंहार

ग. लड़का–लड़की एक समान

- भूमिका
- समानताएँ
- दकियानूसी विचारधारा
- हमारा दायित्व
- निष्कर्ष